**<u>सेबी के पूर्णकालिक सदस्य श्री अमरजीत सिंह द्वारा 8वें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता सम्मेलन में दिया गया संबोधन</u>**

*डिजिटल फाइनेंस अब हर किसी के लिए : भारत के गाँवों में रहने वाले लोगों के लिए भी - ताकि उनमें भी भरोसा पैदा हो, वे भी सुरक्षित महसूस करें और वहाँ भी innovation आए*

1. आप सभी को मेरा नमस्कार ! आज यहाँ आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है, इसलिए मैं सबसे पहले तो Awoke India का शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने मुझे यहाँ आमंत्रित किया और साथ ही मैं इस conclave के organizers को भी धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने इस conclave का विषय "Digital Finance for All" चुना है, खासतौर पर rural bharat में रहने वाले लोगों को ध्यान में रखकर ।

2. पिछले तीन दशकों में, भारत के securities market की तस्वीर बहुत बदल चुकी है । एक समय था जब बाजार में ज्यादातर कामकाज paper-based ही हुआ करता था और काफी कम लोग ही इस बाजार से जुड़े हुए थे, लेकिन आज यहाँ नई-नई technology का इस्तेमाल हो रहा है और इस तरह से आज हम पूरी दुनिया में एक अलग पहचान बना चुके हैं । यह जो भी बदलाव हम देख रहे हैं, वह केवल बाजार में reforms और innovation की वजह से ही नहीं हुआ, बल्कि भारत के digital public infrastructure जैसे कि Aadhaar, UPI, DigiLocker का भी इसमें काफी बड़ा योगदान रहा है । पहले की तुलना में, अब market से जुड़ना या फिर कहें तो invest करना न केवल ज्यादा आसान हो गया है, बल्कि markets अब ज्यादा सुरक्षित भी हो गए हैं ।

3. मैं आज यहाँ अपनी बात तीन हिस्सों में रखना चाहूँगा - (i) पहले मैं यह बात करूँगा कि हमारे देश के investors का profile कैसे बदल रहा है, (ii) फिर दूसरे हिस्से में, मैं यह बताना चाहूँगा कि सेबी technology और innovation की मदद से कैसे भरोसे और सुरक्षा की एक मजबूत बुनियाद खड़ी कर रहा है, और (iii) फिर आखिर में, मैं निवेशकों को कुछ practical advice भी देना चाहूँगा ।

A. *निवेशकों का profile कैसे बदल रहा है*

4. Digitalization की दिशा में आज हम बहुत आगे बढ़ चुके हैं और एक अलग ही दुनिया हम देख रहे हैं । अब कई तरह के mobile app, low-cost trading platforms आ गए हैं, आप Aadhaar के जरिए KYC करवा सकते हैं और UPI के जरिए तुरंत भुगतान कर सकते हैं । आज आप अपने smartphone से ही चंद मिनटों में trading और demat account खुलवा सकते हैं ।

5. यही वजह है कि अब काफी ज्यादा निवेशक इस market से जुड़ने लगे हैं । आँकड़ों की बात करें, तो हमारे देश के लगभग 99.8% हिस्से से लोग शेयर बाजार से निवेश कर रहे हैं । NSE के आँकड़े देखें, तो पिछले 10 सालों में unique investors की संख्या में 7 गुणा बढ़ोतरी हुई है, और अब तो इनकी संख्या 12 करोड़ को पार कर चुकी है ।

6. मैंने यहाँ पहले ही बताया है कि देश के ज्यादातर इलाक़ों में रहने वाले लोग अब इस market में निवेश कर रहे हैं । अब अगर हम निवेशकों की औसतन उम्र की बात करें, तो हम देख रहे हैं कि investors की औसत उम्र (median age) तकरीबन 33 साल है और इसमें से 40% investors की उम्र तो 30 वर्ष से भी कम की है । पाँच साल पहले के आँकड़ों पर नज़र डालें, तो हम देखते हैं कि निवेशकों की औसत उम्र 38

साल थी । इससे हमें यह पता चलता है कि हमारे देश के लोग अब पहले की तुलना में कम उम्र में ही निवेश करने लगे हैं ।

7. Digitalization का क्या असर पड़ा है, इसे समझने के लिए सबसे सटीक उदाहरण है - उत्तर प्रदेश जहाँ की बड़ी आबादी गाँवों में रहती है -

   a. NPCI के आँकड़ों के अनुसार, UPI के जरिए सबसे ज्यादा transactions महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश में ही हो रहे हैं ।

   b. Securities market के लिहाज से भी अगर देखें, तो उत्तर प्रदेश में निवेशकों की संख्या 1.4 करोड़ के करीब पहुँच चुकी है, और इस तरह से उत्तर प्रदेश हमारे देश का दूसरा ऐसा राज्य बन चुका है जहाँ एक करोड़ से भी ज्यादा निवेशक हैं ।

   c. पिछले पाँच वर्षों में, निवेशकों की तादाद में लगभग छह गुणा बढ़ोतरी हुई है और देश के कुल निवेशकों में उत्तर प्रदेश के निवेशकों की भागीदारी 7.4% से बढ़कर लगभग 11.6% हो चुकी है ।

   d. FY (वित्तीय वर्ष) 2025 और FY (वित्तीय वर्ष) 2026 के अगर हम इस आँकड़े की बात करें कि सबसे ज्यादा नए investors किस राज्य से आ रहे हैं, तो वहाँ भी उत्तर प्रदेश का ही नाम आता है ।

8. Mutual funds के जरिए भी अब काफी ज्यादा निवेश होने लगा है । पिछले पाँच वर्षों के अगर हम आँकड़े देखें, तो तकरीबन हर महीने SIP के जरिए mutual funds में होने वाला निवेश भी तीन गुणा से ज्यादा बढ़ चुका है, क्योंकि जहाँ वित्तीय वर्ष 2020-21 में ₹8006 करोड़ का निवेश हो रहा था, तो वहीं इस वित्तीय वर्ष ₹ 28,029 करोड़ का निवेश हुआ । इससे यह साफ जाहिर होता है कि अब लोग disciplined तरीके से लंबे समय के लिए निवेश कर रहे हैं ।

9. हालाँकि अभी भी एक बहुत बड़ी आबादी को इस market से जोड़ना बाकी है । हाल ही में सेबी ने MIIs और AMFI के साथ मिलकर देशभर के लगभग 90,000 households का निवेशक सर्वेक्षण (investor survey) करवाया है । इस survey से हमें पता चला कि 63% households को securities से जुड़े products की जानकारी है, जबकि केवल 9.5% households ही असल में निवेश कर रहे हैं । शहरों में रहने वाले लगभग 15% और गाँवों में रहने वाले केवल 6% लोग ही निवेश कर रहे हैं । एक बात गौर करने वाली है कि Securities market में निवेश करने वाले investors में से केवल 36% investors को ही securities market की ठीक-ठाक जानकारी है ।

10. यहाँ एक बात पर अगर हम गौर करें तो हम देखते हैं कि निवेशकों की भागीदारी भी बढ़ रही है (खासतौर पर युवाओं की और छोटे-छोटे शहरों / कस्बों में रहने वालों की) और Digital access भी सभी को मिल रहा है, लेकिन investors में awareness की अभी काफी कमी है, इसलिए regulator होने के नाते हमारी भूमिका बेहद अहम हो जाती है ।

B. *सेबी इस दिशा में क्या कदम उठा रहा है : सेबी की हमेशा यही कोशिश है कि निवेशकों का भरोसा कायम रहे और वे खुद को सुरक्षित महसूस करें*

11. Retail investors की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है, इसलिए उनमें भरोसा पैदा करने और उन्हें सुरक्षित महसूस कराने की हमारी जिम्मेदारी भी उसी हिसाब से बढ़ती जा रही है ।

12. सेबी कदम-कदम पर निवेशकों की मदद करने की कोशिश में जुटा रहता है । फिर चाहे वे निवेश की दुनिया में अपना पहला कदम रख रहे हों और निवेश करने की शुरूआत

करने जा रहे हों या फिर वे ट्रेडिंग करने जा रहे हों । सेबी इस बात का हमेशा ख्याल रखता है कि securities market में investors खुद को सुरक्षित महसूस करें और उनकी शिकायतों का निवारण भी सही तरीके से हो । मैं इस दिशा में सेबी द्वारा उठाए गए कुछ कदमों की जानकारी देना चाहूँगा -

13. ***सही intermediaries को ही payments हों - इस दिशा में उठाए गए कदम***

a. इस digital world में, इस बात की आशंका बनी रहती है कि payment कहीं किसी ऐसे गलत account में न चला जाए जो धोखाधड़ी करने के इरादे से खुलवाया गया हो, या फिर किसी ऐसी entity को न transfer हो जाए जो सेबी से register ही न हो। इस समस्या का हल निकालने के लिए, सेबी ने दो tools बनाए हैं । इनमें से पहला है - Validated UPI Handles, जिसकी शुरूआत 1 अक्तूबर, 2025 को की गई और दूसरा है - SEBI Check ।

b. SEBI Check" हमारी investor website पर भी है और हमारे "Saa₹thi" mobile app पर भी । इस tool का इस्तेमाल करके investors यह तुरंत जान सकते हैं कि कोई bank account, UPI ID या QR code सेबी से registered intermediary का है या नहीं । इसी तरह, जब वे Validated UPI Handles का इस्तेमाल करके या फिर QR codes के जरिए payment करते हैं तो उन्हें QR code के अंदर एक green triangle में "thumbs-up" का निशान दिखता है जिसे देखकर निवेशक को पता चल जाता है कि वे जिस एंटिटी को payment कर रहे हैं वह सेबी से registered है ।

14. **Nomination और transmission की प्रक्रिया को भी आसान बना दिया गया है, जिसकी वजह से market से unclaimed assets कम हो रहे हैं ।**

a. सेबी ने demat accounts और Mutual Fund Folios के संबंध में nomination की प्रक्रिया को काफी आसान बना दिया है । अब निवेशक सेबी से regulated entities के पास अपना nomination form ऑनलाइन भी submit कर सकते हैं और offline भी ।

b. हमने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि investors अपने demat और mutual fund की holdings को DigiLocker में देख सकते हैं और यदि वे चाहें तो एक Data Access Nominee भी nominate कर सकते हैं, जिसे केवल read only access होगा ।

c. सेबी ने MITRA (Mutual Fund Investment Tracing and Retrieval Assistant) नाम से एक और platform बनाया है । इस platform की मदद से inactive और unclaimed mutual fund के folios का पता लगाया जा सकता है ।

15. **सभी को जागरूक करना - गाँवों में रहने वाले लोगों को भी**

a. जैसे-जैसे investors जागरूक होते जाएँगे, उनमें trust (भरोसा) पैदा होता जाएगा और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता जाएगा । यही वजह है कि सेबी निवेशकों को जागरूक करने पर लगातार काम करता रहता है ।

b. हमारे देश के गाँवों में रहने वाले लोगों को भी जागरूक करने की दिशा में, हाल ही में सेबी ने पंचायती राज मंत्रालय के साथ मिलकर Block और Gram Panchayat के representatives को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण देना शुरू किया है । उत्तर

प्रदेश में भी इस तरह के कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं । उत्तर प्रदेश के सभी 826 blocks में 1,650 से भी ज्यादा Master Trainers local representatives को जरूरी जानकारी देने के साथ-साथ financial planning भी सिखाएंगे, और यह भी बताएंगे कि fraudulent schemes से कैसे बचा जाए । सेबी के इस कदम से गाँवों में रहने वाले लोगों को भी जरूरी जानकारी मिल पाएगी ।

हम इस जरूरत को भी अच्छी तरह समझते हैं कि market में investors की जरूरतों के हिसाब से किफायती और inclusive products भी लाए जाएँ । इसे ध्यान में रखते हुए “छोटी SIP” लाने की दिशा में भी पहल की गई है, जिसमें 250 रुपये का निवेश करके भी SIP की जा सकती है, ताकि mutual fund में पहली बार निवेश करने वाले investors और कम आमदनी वाले investors भी market में निवेश कर पाएँ ।

c. Mutual fund distributors के लिए भी नए incentive शुरू किए गए हैं । जो भी distributor बड़े 30 शहरों को छोड़कर, दूसरे शहरों से नए investors लाएँगे और महिला निवेशकों से भी निवेश करवाएंगे, उन्हें इसके लिए incentive दिया जाएगा । उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहाँ आज कुल निवेशकों में से महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ़ 18.9% ही है (जबकि देशभर में जहाँ यह औसत 24.7% है), इस तरह के कदम से यहाँ की महिलाओं को भी market से जोड़ा जा सकेगा ।

**16. घोटालों (Scams) पर, finfluencers पर और गुमराह करने के इरादे से गलत जानकारी फैलाने वालों पर नकेल कसना**

a. हम digitalisation के downsides को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते, क्योंकि आज चारों तरफ फर्जी trading platform, unauthorised finfluencers, और झाँसा देने वाली ऐसी schemes चलाई जा रही हैं जो बहुत ज्यादा मुनाफा देने की गारंटी देती हैं ।

b. हमने SEBI vs SCAM नाम से एक अभियान चलाया है, जिसके जरिए निवेशकों को फर्जी platforms और trading apps से आगाह किया जा रहा है । इसके अलावा, उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि unauthorised finfluencers की बातों में न आएँ और ऐसी किसी tips या वादे पर भी भरोसा न करें जिसमें बढ़ाचढ़ाकर मुनाफा देने की बात कही जा रही हो ।

17. हमने ये कदम इसीलिए उठाए हैं, ताकि digital finance की सुविधाओं का इस्तेमाल rural bharat सही ढंग से और संभलकर कर पाएँ, फिर चाहे वे पहली बार invest करने वाले लोग हों या मोबाइल का इस्तेमाल करके invest करने वाले ।

**ग. *निवेशकों को सलाह: digital और* noisy *Ecosystem***

18. Economists यह मानकर चलते हैं कि आम तौर पर लोग हमेशा सोच-समझकर ही निर्णय लेते हैं और हर चीज़ के पीछे फ़ायदा और नुकसान देखकर ही फैसला लेते हैं । लेकिन असल ज़िंदगी में ऐसा नहीं होता ।

19. डर, लालच, चिंता और पछतावा - ये emotions अक्सर हमारे फैसलों पर हावी हो जाते हैं। Behavioural finance में भी ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं कि इंसान अक्सर विवेक को दरकिनार करके भावनाओं में बहकर फैसले ले बैठता है ।

20. अक्सर हम दूसरों की देखादेखी करके फैसले लेने लग जाते हैं । जब हर कोई किसी खास stock, sector या किसी theme के बारे में बात कर रहा होता है, तो हमें लगने लगता है कि हम भी वैसा ही करें । आपको इसके कई उदाहरण देखने को मिल जाएँगे - फिर

चाहे 16वीं शताब्दी का Tulipomania हो, या फिर dot-com bubble हो, या फिर 2008 का financial crisis हो ।

21. अक्सर हम यही मानकर चलते हैं कि सब कुछ अच्छा ही होगा । F&O segment को ही ले लीजिए जहाँ कई individual traders को लगता है कि मुनाफा ही होगा, नुकसान नहीं । लेकिन सेबी का analysis यह बताता है कि F&O में ट्रेडिंग करने वाले 10 में से 9 individual traders को नुकसान उठाते हैं । और जिन लोगों ने मुनाफा कमाया भी है, तो उन्होंने भी मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा transaction costs में गँवा दिया है ।

22. अब तो social media ने भी कई मुश्किलें पैदा कर दी हैं । सेबी के survey में यह बात सामने आई है कि आधे से ज्यादा households निवेश से जुड़े अपने फैसले लेने के लिए social media पर मौजूद finfluencers की सलाह पर भरोसा करते हैं । माना कि इनमें से कुछ finfluencers सही भी होंगे, लेकिन कुछ ऐसे भी होंगे जिनके पास न तो जरूरी जानकारी होती है और न ही कोई काबिलियत; और तो और वे किसी भी regulator के यहाँ register भी नहीं होते और सलाह देने के पीछे उनकी मंशा अपना मुनाफा निकालने की ही होती है ।

23. **तो ऐसे में निवेशक क्या करें ?**

a. किसी भी ऐसी scheme से सावधान रहें जो आपको कम समय में बहुत ज्यादा मुनाफा देने का वादा करे । खासकर तब, जब social media या messaging apps के जरिए उसका बहुत ज़ोर-शोर से प्रचार किया जा रहा हो ।

b. हमेशा यह जाँच लें कि सलाह देने वाला व्यक्ति या प्लेटफॉर्म, सेबी या किसी दूसरे financial regulator के यहाँ register है या नहीं । यह पता करने के लिए आप

SEBI Check जैसे टूल का इस्तेमाल कर सकते हैं या SEBI की website भी देख सकते हैं ।

c. निवेश करने से पहले उसकी सारी शर्तें आदि ध्यान से पढ़ लें, जैसे कि default options, exit loads, lock-in और charges के बारे में । यदि आपको ठीक से समझ न आए, तो आप ऐसे किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर (sign) न करें ।

d. यह जरूर जान लें कि पैसा निकालते समय (redemption के समय) आपको क्या-क्या करना होगा और उसमें कितना समय लगेगा । यदि कोई ऐसा product हो जो आपकी समझ के परे हो तो उसमें invest न करें, और साथ ही आप कभी किसी दबाव में आकर investment के फैसले न लें ।

24. Regulators, MIIs, intermediaries और Awoke India जैसी organizations मिलकर आपको यह तो बता सकती हैं कि आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन आखिरकार फैसला तो आप पर ही निर्भर करता है । यदि निवेशक सही जानकारी रखेंगे, कुछ basic due diligence करेंगे, और जल्दबाजी करने के बजाय सोच-समझकर फैसले लेंगे, तो वे धोखाधड़ी और नुकसान से बच सकते हैं ।

***घ. अंत में.... / Concluding remarks***

25. अंत में, मैं यही कहूँगा कि technology और innovation ने securities market में निवेश करना आसान तो बना दिया है, पर यही काफी नहीं है । अगर Digital finance को गाँवों में भी कामयाब करना है, तो पूरे ecosysmtem को सही से काम करना होगा: regulated intermediaries को भी अपनी सही भूमिका निभानी होगी, investor associations को भी गाँवों में रहने वाले लोगों को जागरूक करना होगा, और जिन local

leaders पर वहाँ के लोग भरोसा करते हैं उन्हें भी अपना हाथ आगे बढ़ाना होगा । जब ये सब मिलकर काम करेंगे, तभी लोग खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे और वे market में निवेश करते समय सोच-समझकर फैसले लेने लगेंगे ।

26. अगर हम सब मिलकर काम करेंगे, तो लोग digital finance की सुविधाओं का सही ढंग से इस्तेमाल करने लगेंगे, और इससे निश्चित ही हमारी economy को भी बल मिलेगा और समाज के हर वर्ग की समृद्धि संभव हो पाएगी ।

धन्यवाद ! जय हिन्द !

**Speaking Notes of Shri Amarjeet Singh at the 8th International Financial Literacy Conclave**

*Digital Finance for All: Building Trust, Security, and Innovation in Rural Bharat*

1. Good morning. It is a pleasure to be here today. I thank Awoke India for inviting me, and compliment the organizers for selecting a very relevant theme of Digital Finance for all, particularly in the context of rural Bharat.

2. Over the past three decades, the Indian securities market has undergone a remarkable transformation. We have moved from a nascent, largely paper-based market with limited participation to one of the most vibrant and technology-driven markets in the world. This has been enabled not just by market reforms and innovation, but also by India's digital public infrastructure such as Aadhaar, UPI, DigiLocker. Markets today are much more accessible, safer, and efficient.

3. My remarks today are in three parts – (i) First, I will talk about how India's investor profile is changing, (ii) Then I will briefly touch upon how SEBI is using technology and innovation to build trust and security in this new environment, and (iii) finally, I will end with some practical advice for investors.

*A. Changing investor profile*

4. The rise of digitalization - mobile apps, low-cost trading platforms, Aadhaar-enabled KYC and instant payment systems like UPI, has fundamentally changed the way Indians invest. Opening a trading and demat account, can today be done in a matter of minutes from a smartphone.

5. The result is a more inclusive financial ecosystem, with investor participation spanning over 99.8% of the pincodes in the country. NSE data on unique investors has seen more than seven-fold jump in investor participation, in the past 10 years, and is now at over 12 crore investors.

6. The new investors coming in reflect a clear demographic change. The median age of investors is now around 33, with nearly 40% of the base at under 30. Just

five years ago, the median age was 38. This tells us that investing is becoming part of the financial journey of Indians much earlier in life.

7. Uttar Pradesh, a state with a large rural population, is an excellent example of the impact of digitalization –
   a. As per NPCI data, UP ranks second in the country both in volume and value of UPI transactions, next only to Maharashtra.
   b. In the securities market too, UP is home to around 1.4 crore investors, making it the second state to cross the one-crore investor milestone.
   c. In the past five years, investor base has expanded roughly sixfold, and its share of national investors has risen from 7.4% to about 11.6%.
   d. UP has also recorded the highest number of new investor registrations in both FY25 and FY26.

8. Indirect participation through mutual funds, has grown strongly as well. Average monthly SIP inflows in mutual funds has more than tripled in five years — from around ₹ 8006 crore in FY 2020–21 to about ₹ 28,029 crore in the current FY. This indicates a shift towards disciplined, long-term investing.

9. Yet, there is still enormous untapped potential. A national investor survey of about 90,000 households conducted by SEBI together with Market Infrastructure Institutions and AMFI shows that while 63% of households are aware of securities products, only 9.5% actually participate. Urban participation is around 15%, but in rural areas it is only 6%. And importantly, only about 36% of current investors have a high or moderate level of knowledge about the securities market.

10. So we are in an interesting position: participation is rising, particularly among the young and from beyond the metros; digital access is widespread; yet awareness, and understanding is not keeping pace. This is why a regulator's role becomes more crucial.

*B. How SEBI is responding: building trust and security along the investor journey*

11. With the rapid growth of retail investors, our responsibility to protect their trust and interests has increased manifold.

12. SEBI has endeavoured to build safeguards and support at every step of the investor's journey – right from on-boarding and making the first investment, to trading and holding of investments and resolution of grievances. Let me briefly mention some of these initiatives –

13. **Safe payments and genuine intermediaries**

a. In a digital world, money being transferred to a fraudulent account or an unregistered entity is a key risk. To address this, SEBI has introduced 2 tools: the Validated UPI Handles framework (from October 1, 2025) and SEBI Check.

b. SEBI Check is available on our dedicated investor website and on the "Saa₹thi" mobile app, using which investors can instantly verify whether a bank account, UPI ID or QR code belongs to a SEBI-registered intermediary. With the Validated UPI Handles framework, a distinctive "thumbs-up inside a green triangle" icon is visible at the time of payment and on QR codes, thus, informing an investor, whether they are paying a genuine, regulated entity.

14. **Making nomination & transmission easier and reducing unclaimed assets**

a. SEBI has streamlined / simplified process of nomination for demat accounts and Mutual Fund Folios. Investors can submit nomination form either online or through physical/offline mode to the regulated entities.

b. We have also partnered with DigiLocker so that investors can store information on their demat and mutual fund holdings securely and nominate a Data Access Nominee with read-only access.

c. The MITRA platform — the Mutual Fund Investment Tracing and Retrieval Assistant, is another important initiative. It acts as an industry-level "lost and

found” facility for inactive and unclaimed mutual fund folios, with safeguards against fraud.

15. **Education, literacy and rural outreach**

a. Investor knowledge and confidence is key to building trust. Investor education is therefore, a core part of SEBI’s strategy.

b. Recently, to empower rural Bharat, SEBI has partnered with the Ministry of Panchayati Raj to train Block and Gram Panchayat representatives. Uttar Pradesh is one of the pilot states. Over 1,650 Master Trainers are being deployed across all 826 Blocks of UP. These trainers will equip local representatives with essential knowledge on financial planning, safeguarding against fraudulent schemes, and awareness about securities market ecosystem, empowering them to educate rural communities across India.

c. We are also conscious of the need for affordable, inclusive products. The “Chhoti SIP” initiative — a ₹250 SIP — aims to make mutual fund investing accessible to first-time investors and lower-income households.

d. A new incentive framework for mutual fund distributors rewards the onboarding of new individual investors from beyond the top 30 cities and women investors. For a state like UP, where women currently constitute only about 18.9% of investors (lower than the national figure of 24.7%), these incentives can play a crucial role in driving women-centric financial inclusion.

16. **Tackling scams, finfluencers and misinformation**

a. Finally, we cannot ignore the downsides of digitalisation — the explosion of fake trading platforms, unauthorised finfluencers, and schemes promising “guaranteed” or “unrealistic” returns.

b. Through the SEBI vs SCAM initiative, we have been running campaigns to alert investors about fake platforms and trading apps, unauthorised finfluencers, unsolicited tips and promises of guaranteed returns’/unrealistic returns.

17. Such measures are part of one continuous effort - to ensure that digital finance remains a force for good, especially for first-generation, mobile-first investors in rural Bharat.

*C. Advice for investors: Navigating a digital, noisy ecosystem*

18. Economists often model individuals as fully rational decision-makers, carefully weighing costs and benefits to maximise their utility. But in real life, that is not how decisions are always made.

19. Emotions such as fear, greed, anxiety and regret often influence our choices. Behavioural finance has documented many ways in which human decisions deviate from strict rationality.

20. Consider herd behaviour. When everyone is talking about a particular stock, sector or "theme", there is a temptation to join the crowd simply because others are doing so. History is full of such examples — be it the Tulipomania of the 1600s, the dot-com bubble, or the financial crisis in 2008.

21. In our markets today, we also see the impact of optimism bias. For example, in the F&O segment, where many individual traders tend to overestimate the likelihood of gains and underestimate the risk of losses. SEBI's analysis shows that 9 out of 10 individual F&O traders lose money, and even those who do make profits often see a significant portion eroded by transaction costs.

22. Social media has added another layer of complexity. SEBI survey has shown than more than 50% of households go to social media finfluencers for securities market products related information for investment decisions. Some of these influencers may be genuine and well-intentioned, but others may not be qualified, not registered with any regulator, and may be promoting products in return for undisclosed compensation.

23. So, what can investors do?

   a. Be cautious of any scheme that promises guaranteed, high, fast returns, especially if it is being pushed aggressively on social media or messaging apps.

b. Always check whether the person or platform is registered with SEBI or another financial regulator. Use tools like SEBI Check and the SEBI website to verify details.
c. Understand the key terms and conditions, including default options, exit loads, lock-ins and other charges. If you do not understand it, do not sign it.
d. Be wary of hurdles to redemption, complex products you do not fully grasp, or pressure to act immediately.

24. While regulators, market infrastructure institutions, intermediaries and organisations like Awoke India can build guardrails and provide education, but the final decision rests with the individual. Staying informed, doing basic due diligence and pausing to think before acting can help you avoid many pitfalls.

*D. Concluding remarks*

25. In conclusion, technology and innovation have democratised access to the securities market — but access alone is not enough. For digital finance to truly work, especially in rural Bharat, the full ecosystem has to play its part: regulated intermediaries who act with integrity, investor associations that spread awareness, and local leaders whom people trust. When these forces come together, they create the trust and security that give confidence to stay invested and use markets wisely.

26. If we can sustain that collective effort, the idea of digital finance for all, can translate into positive outcomes for our economy and shared prosperity for society.

Thank you !